81/82 और 103/104 ए० सी० एक्सप्रैस रेलगाड़ियां

963. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि 81/82 और 103/104 ए० सी० एक्सप्रेस रेलगाड़ीयों (दिल्ली-हावड़ा और हावडा-दिल्ली) को, जो सप्ताह में पांच दिन चलती है, दैनिक रेलगाड़ियों में परिवर्तित न किये जाने के क्या-क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : खाली दिनों में मार्ग पर राजधानी एक्सप्रैस सहित अन्य गाड़ियों की उपलब्धता होने के कारण ए०सी० एक्सप्रैस के फेरों में वृद्धि करना आवश्यक नहीं समझा जाता । इसके अतिरिक्त, भारतीय रेलों पर वातानुकुलित सवारी डिब्बों की भारी कमी है ।

इलाहाबाद से भटनी तक छोटी लाइन का बड़ी लाइन में परिवर्तन

964. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इलाहाबाद से भटनी तक छोटी लाइन को बड़ी लाइन में परिवर्तित करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचराधीन है ; और

(ख) यदि हां, तो उसके कार्यान्वयन में क्या-क्या बाधायें हैं ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) और (ख) वाराणसी-इलाहाबाद मीटर लाइन को बड़ी लाइन में बदलने के लिए 1975 में सर्वेक्षण किया गया था तथा इसका अद्यतन 1982 में किया गया था । परियोजना को वित्तीय दृष्टि से अलाभकर पाया गया था । इस परियोजना को शुरू करने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

भटनी-वाराणसी मीटर लाइन का बड़ी लाइन में बदलाव एक अनुमोदित परियोजना है तथा संसाधनों की उपलब्धता के अनुरूप इस पर काम प्रगति पर है ।

इलाहाबाद से नई दिल्ली तक दैनिक उड़ान

965. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि इलाहाबाद से नई दिल्ली तक दैनिक उड़ान उपलब्ध न कराये जाने के क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा नागर विमानन मंत्री (श्री मोती लाल वोरा) : दिल्ली और इलाहाबाद के बीच यात्री मांग को देखते हुए इस सैक्टर पर एक दैनिक सेवा चलाने का कोई औचित्य नहीं है ।

Introduction of Two-tier Catering System

966. SHRI PRAMOD MAHAJAN; Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Indian Railways are proposing to start two-tier rate system for catering to passengers on running trains *i.e.* higher rate for higher classes and lower rate for lower classes;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) if the answer to part (a) above is in negative, the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRl MADHAVRAO SCINDIA): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Price charged depends on the type of food served and not on class of travel.

Open Level Crossings

967. SHRl PRAMOD MAHAJAN; Will the Minister of RAILWAYS be pleas-ed to state:

(a) tht number of open level' crossings from Churchgate to Virar on Western Railway separately;

(b) the names of the proposed Flyover Bridges on these lines and how long it will take to complete these proposed Fly-over Bridges;

(et whether Government have drawn a plan to have Flyover Bridges on all these level crossings in near future; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRl MADHAVRAO SCINDIA); (a) Churchgate—Virar Section—18.

Bombay V.T.—Karjat Section—29.

(b) Road-over-bridges at the following locations have been sanctioned and are in varying stages of progress;—

(i) Between Vikhroli and Kanjur Marg stations.

(ii) Between Matunga Road and Mahim stations,

(iii) Near Ambarnath station.

(iv) Between Mahim and Bandra stations.

(v) Between Goregaon and Malad stations.

(vi) Between Santacruz and Vile-Parle stations.

(Vii) Between Kandivali and Borivali stations. Road-over-bridges as stated at items (i) and (ii) are nearing completion Commissioning of the remaining road-over-bridges will depend mainly on completion of the approaches by the concerned road authority.

(c) and (d) Railways undertake cons truction of road-over/under-bridges in replacement of busy level crossings pointly with State Governments/Local Authority, on cost sharing basis, depending upon the priorities accorded by them. One road-under-bridge in lieu of the existing level crossing near Goregaon has accordingly been included in Railways' Works Programme or 1988-89

दिल्ली में पब्लिक स्कूल

968. **श्री रशीद मसूद** : क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली और उसके निकटवर्ती शहरों में गत तीन वर्षों में निजी क्षेत्र में अनेक पब्लिक स्कूल खोले गए हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इन स्कूलों को शिक्षा विभाग द्वारा मान्यता प्रदान कर दी गई है और प्रशासन द्वारा इन्हें अनेक प्रकार की सुविधायें भी उपलब्ध कराई गई हैं ;

(ग) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इन स्कूलों के विरूद्ध अधिक फीस लेने, कर्मचारियों को कम वेतन देने, पढ़ाई के लिये उचित इन्तजाम न होने, आदि के संबंध में प्रशासन को शिकायतें प्राप्त हुई हैं : और

(घ) यदि हां, तो सरकार ने इन शिकायतों के विरूद्ध गत वर्ष किन-किन विद्यालयों के संबंध में क्या-क्या कार्यवाही की ; और यदि कोई कार्यवाही नहीं की गई तो उसके क्या कारण हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल. पी. शाही) : (क) यह बात स्पष्ट नहीं है कि "प्राइवेट स्कूलों में पब्लिक स्कूलों" का आशय क्या है । फिर भी भरती पब्लिक स्कूल सम्मेलन से सम्बद्ध स्कूलों की संख्या 57 है और पिछले कुछ वर्षों में इसकी संख्या में वृद्धि नहीं हुई है ।